खबर संक्षेप

अब 31 मई तक खरीदा जायेगा किसानों से गेहूं

कटनी। राज्य शासन ने रबी विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की अवधि एक बार पुनरू बढ़ा दी है। प्रदेश में किसानों से अब 31 मई तक समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन किया जायेगा। इस बारे में राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। ज्ञात हो कि प्रारंभ में किसानों से गेहूं उपार्जन हेतु भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर एवं उज्जैन संभाग में 7 मई और प्रदेश के शेष संभागों में उपार्जन की अवधि 15 मई तक निर्धारित की गई थी। बाद में इस अवधि को 20 मई तक बढ़ा दिया गया था। किसानों की सुविधा को देखते हुये राज्य शासन द्वारा अब एक बार पुनरू समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की अवधि 31 मई तक बढ़ाई गई है।

बुद्ध जयंती पर मांस-मछली की बिक्री पर रहेगा प्रतिबंध

कटनी। शासन के निर्देशानुसार 23 मई दिन गुरूवार को बुद्ध जयंती होने के अवसर पर समस्त मांसाहारी पदार्थ मुर्गी मछली आदि का क्रय विक्रय पर प्रतिबंध रहेगा । अतः आम नागरिकों एवं समस्त दुकानदारों को सूचित किया जाता है की 23 मई को बुद्ध जयंती होने के कारण मांसाहारी पदार्थ का क्रय विक्रय बंद रहेगा। साथ ही उक्त आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कठोर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

खेत में बने मकान में लटकी मिली महिला की लाश

कटनी। खेत में बने मकान में महिला का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला है। सूचना पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। मामला स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलैया फाटक का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जयंती बाई पति सुमित कुमार बेन 20 निवासी ग्राम सलैया फाटक थाना स्लीमनाबाद का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराते हुए मामले को जांच में लिया है।

विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से युवक की मौत

कटनी। एक युवक के द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन करने से उसकी मौत हो गई है। घटना बहोरीबंद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरही में हुई। जानकारी के अनुसार सत्यम लोधी पिता राम सिंह लोधी 18 साल निवासी बरही थाना बहोरीबंद की जहरीले पदार्थ के खाने से जानकी रमन अस्पताल जबलपुर में इलाज दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

ट्रक की टक्कर लगने से एक युवक की हुई मौत

कटनी। ट्रक की टक्कर लगने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भदौरा के पास हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल के दौरान युवक की पहचान राकेश वंशकार 30 वर्ष निवासी छैघरा के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि युवक फेरी लगाकर कबाड़ खरीदने का काम करता था। गत दिवस वह अपने काम से जा रहा था इसी दौरान एक ट्रक चालक ने उसे टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल भेजवाया गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बहरहाल पुलिस ने शव परीक्षण उपरांत मामले को जांच में लिया है।

रिकार्ड में लगा दी आग

कटनी। कैमोर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के रिकार्ड में एक व्यक्ति के द्वारा आग लगा दी गई। जानकारी के अनुसार स्कूल के संचालक द्वारा कुछ लड़कों को परिसर में खेलने से मना किया था। इसी रंजिश के चलते उनके द्वारा स्कूल के रिकार्ड में आग लगा दी गई। शिकायत पर पुलिस ने धारा 454, 436 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

डेढ़ दशक पहले बनी डेयरी विस्थापन की कार्ययोजना पर आज तक नहीं हुआ अमल

योजना बनी, जमीन का निरीक्षण भी किया लेकिन प्रक्रिया पर ब्रेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शहर में स्वच्छता बनाये रखने भले ही करोड़ों रूपए फूंके जा रहे है लेकिन हालत तब भी मंशानुरूप नहीं हैं। दूसरी ओर अभियानों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का भी प्रयास किया जा रहा है लेकिन स्वच्छता की राह में एक बड़ी बाधा नगर व उप नगरीय क्षेत्रों में डेयरियों का संचालन भी है। जिम्मेदार विभागीय अधिकारी आज तक बुनियादी कार्ययोजना तक तय नही कर सका है। आलम यह है कि डेयरियों का विस्थापन एक दशक से अधर में है। इस दिशा में सार्थक प्रयास भी नही हो रहे है।

गौरतलब है कि दशक भर पहले डेयरियों के विस्थापन के लिये की गई पहल के बाद शहर की एक सैकड़ा डेयरियों के विस्थापन की उम्मीद जगी थी। लेकिन इस दिशा में ठोस कदम न उठाये जाने से मामला साल 2009 से अधर में लटका है। यहां रिहायशी क्षेत्रो में डेयरियों के संचालन से भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शासन की रूचि के बावजूद स्थानीय प्रशासन द्वारा इस दिशा कारगर प्रयास नही किये जा रहे है। उल्लेखनीय है कि शहरो में संचालित डेयरियों के लिये राजस्व विभाग द्वारा स्थानीय आवश्यकता के अनुसार नगरीय विकास एवं आवास विभाग को जमीन आवंटित करेगा। उसी जमीन को विकसित करके संबन्धित निकाय डेयरी का विस्थापन करेगे।

उल्लेखनीय है कि शहर में एक सैकड़ा से अधिक डेयरियों है। इन डेयरियों का संचालन रहवासी क्षेत्रो में नगर निगम सीमार्न्तात किया जा रहा है। रहवासी क्षेत्रो से डेयरियों के विस्थापन करेन के लिये साल 2009 में निगम प्रशासन ने योजना तो बनाई थी लेकिन आज तक इस योजना को मूर्त रूप नही दिया जा सका है। पूर्व कलेक्टर विशेष गढ़पाले के निर्देश पर ग्राम पंचायत पड़रिया में जमीन चिन्हित करते हुये तत्कालीन महापौर, तहसीलदार, एसडीएम सहित अन्य अधिकारियों द्वारा मौका मुआयना किया गया था लेकिन चिन्हाकन के बाद जमीन का आवंटन, नापजोख, सहित अन्य प्रक्रियाओं की फाइल कार्यालय से बाहर नही निकल पाई।

गंदगी व बदबू के साथ मक्खी मच्छरों का भी बढ़ता है प्रकोप

शहरी क्षेत्र में डेयरी के संचालन ने एक नही अनेक तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या उस क्षेत्र के वांशिदो की है जहां डेयरी संचालित है। डेयरी की वजह से न सिर्फ आसपास गोबर, मूत्र व कचरे की गंदगी से लोगो का रहना मुहाल हो रहा है बल्कि डेयरी की इन भैसो या गायो को जब एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है तो हर समय जाम की स्थिति बन जाती है। डेयरियों की साफ सफाई के दौरान गोबर निकलने, गोबर को टाली में भरकर बाहर ले जाने या वही पर जमा करने से बदबू का माहौल भी बना रहता है। बारिश के दिनों में गंदगी दोगुना बढ़ती ही है उपर से मक्खी, मच्छरो की फौज जमा हो जाती है। इन तमाम परेशानियो के मददेनजर डेयरियों का विस्थान जल्द ही आवश्यक है।

इन क्षेत्रो में है डेयरियां

नगर के गांधीगंज, नदीपार, बरगवां, खिरहनी फाटक व खिरहनी गांव, झर्रा टिकुरिया, बजरंग कालोनी, एनकेजे आदि में डेयरियां संचालित है। एक बड़ी डेयरी में औसत 50, मध्यम स्तर की डेयरी में 30 और छोटे स्तर की डेयरी में 10 मवेशी रखे जाते है। शहर के अंदर भैंसों को निकाला जाता है इससे एक ओर जहां गंदगी फैलती है वहीं दूसरी ओर मवेशियों के कारण हादसे का भी डर वाहन चालकों व राहगीरों को सताता रहता है।

स्कूल का यथावत संचालन रखने पत्र लिख दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

विजयराघवगढ़ विधायक को स्कूल बंद होने मिली थी सूचना

कैमोर नगर में एवरेस्ट इंडस्ट्रीज द्वारा संचालित स्कूल के बंद होने की सूचना प्राप्त होने पर विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने संज्ञान लेते हुए प्रबंधन को पत्र लिखकर स्कूल संचालन यथावत रखने का निर्देश दिया साथ ही प्रबंधन को उसके सामाजिक दायित्व भी याद दिलाया। एवरेस्ट इंडस्ट्रीज प्रबंधन द्वारा अपने अधीन संचालित स्कूल को गुपचुप तरीके से बंद करने की तैयारी में है इसी के बाद विधायक श्री पाठक ने इसे गम्भीरता से लिया तथा तुरंत प्रबंधन को पत्र लिखा।

एवरेस्ट प्रबंधन अपने सामाजिक दायित्व से भागने की फिराक में था यह आरोप लगना स्वाभाविक है लिहाजा संजय पाठक ने किसी कम्पनी की स्थापना के समय उसके सामाजिक हित के संकल्प तथा दायित्व भी याद दिलाये। बता दें की विद्यालय में करीब 300 से ज्यादा बच्चे अध्ययननरत हैं स्कूल बंद होने की दशा में छात्रों को यहां वहां भटकना पड़ सकता है। आपको बता दें कि वैसे भी यह सर्वविदित है कि एवरेस्ट कम्पनी द्वारा जिस शीट को बनाने के लिए एस्बेसटॉस फाइबर का उपयोग किया जाता है वह बेहद खतरनाक है। इसको कैंसर का जनक माना जाता है कई देशों ने इसके उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है।

एवरेस्ट इंडस्ट्री लि. के प्लांट हैड किशोर परमार ने कहा-दिग्विजय सिंह सरकार के समय कंपनी एवं प्रदेश शासन के बीच यह तय हुआ था कि कंपनी द्वारा इंफ्रास्ट्रक्कर उपलब्ध कराया जाएगा एवं शासन द्वारा स्टाफ की व्यवस्था की जाएगी। शिक्षा विभाग से पदस्थ प्राचार्य 30 जून को रिटायर हो जाएंगी। फिर कोई शासकीय अमला स्कूल में शेष नहीं रहेगा इसलिए स्कूल बंद करने का निर्णय उच्च प्रबंधन ने लिया है। यहां पढ़ने वाले लगभग सभी 300 स्टूडेंट का अन्य विद्यालयों में एडमीशन होने पर प्रबंधन द्वारा एक साल की फीस, ड्रेस, कापी, किताब दिए जाएंगे।

कलेक्टर ने कृषि मंडी में बने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

24 प्रत्याशियों का भाग्य स्ट्रांग रूम में रखीं ईवीएम मशीनों में सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खजुराहो लोकसभा और शहडोल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव प्रत्याशी रहे कुल 24 उम्मीदवारों का भाग्य यहां जिले के कृषि उपज मंडी पहरूआ परिसर में बने स्ट्रांग रूम में रखी ईव्हीएम मशीनों में कैद है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद ने रविवार को यहां पहुंच कर स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर को निरीक्षण में यहां सशस्त्र सुरक्षा बल स्ट्रांग रूम की निगहबानी में मुस्तैद और सतर्क मिले। बताते चलें कि यहां निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा और राजनैतिक दलों के लिए बड़े पंडाल में एल ई डी टीवी स्क्रीन लगाई गई है ताकि वे सहजता से स्ट्रांग रूम के दृश्यों को देख सकें।

यहां बने स्ट्रांग रूम में खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कटनी जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों क्रमशः मुड़वारा, बहोरीबंद और विजयराघवगढ़ के अलावा शहडोल लोकसभा क्षेत्र में आने वाले जिले के बडवारा विधानसभा क्षेत्र में हुए मतदान के बाद ईव्हीएम मशीनों को चाक -चौबंद सुरक्षा घेरे में रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से जहां 14 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाने चुनाव मैदान में रहे । यहां के लिए जिले में बीते 26अप्रैल को मतदान हुआ था। वहीं शहडोल लोकसभा क्षेत्र के लिए 10 प्रत्याशी चुनावी मैदान में मौजूद रहे। इसके लिए जिले की बडवारा विधानसभा में 19 अप्रैल को मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ था।

अवैध कालोनी बसाने भू माफिया कर रहा तैयारी

बरही के खितौला मुख्य मार्ग पर मुख्य मार्ग से लगी करोड़ों की भूमि पर भू माफिया अवैध रूप से कॉलोनी बसाने की तैयारी कर रहे हैं। अवैध कालोनी काटने के लिए तेजी से जमीन को समतल करने का काम चल रहा है। बताया तो यह भी जा रहा है कि यहां पर कई प्लांट बेचे भी जा चुके हैं जिनकी रजिस्ट्री कराया जाना अभी बाकी है। यदि समय रहते भू माफिया के खेल पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो फिर एक और अवैध कॉलोनी बनकर तैयार हो जाएगी। भू माफिया के द्वारा जमीन का एग्रीमेंट कराने के बाद अवैध कालोनी बसाने के लिए यहां पर तेजी से कार्य कराया जा रहा है। लगातार जमीन को समतल करते हुए प्लाट काटे जा रहे हैं और उनका सौदा किया जा रहा है।

उद्योगपतियों के यहां लगातार चौथे दिन भी अधिकारियों ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शहर के दो उद्योगपतियों के यहां करीब चार दिनों से इनकम टैक्स विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि माधव नगर क्षेत्र में 16 मई की सुबह से इनकम टैक्स विभाग के आधा सैकड़ा से अधिक कर्मचारियों द्वारा छापामार कार्यवाही शुरू की गई थी। इस कार्यवाही में भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित अन्य शहरों के अधिकारी शामिल है। 50 से ज्यादा वाहनों में पहुंचे 150 से ज्यादा अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों ने एक साथ उद्योगपति देवराज केवलानी की फर्म अनिल इंडस्ट्रीज तथा मनीष गेई की फर्म अजय फूड प्रोडक्ट्स में जांच शुरू की। इस दौरान इनके दफ्तरों, मिलों, बंगलों तथा अन्य ठिकानों पर आईटी टीम ने पहुंचकर रिकार्ड खंगालने का सिलसिला शुरू किया तो व्यापारिक क्षेत्रों में हलचल तेज हो गई। दोनों ही फर्मों का कारोबारी नेटवर्क बड़ा होने की वजह से शहर का रिटेल मार्केट ही नही अपितु छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में फैले इनके करोबार के तार भी जांच के दायरे में आ गए। अनिल इंडस्ट्रीज में कर अपवंचन को लेकर आईटी टीम के पास पुख्ता जानकारियां मौजूद थी, लिहाजा इस इंडस्ट्रीज के ठिकानों पर आईटी टीम के अफसर बड़ी संख्या में मौजूद रहकर ज्यादा समय दे रहे हैं।

इंडस्ट्रीज में दाल के भारी भरकम स्टाक जमा किया गया है। ब्रोकर्स के जरिये वायदा बाजार में इस स्टाक का सौदा किया गया और इसके जरिये करोड़ों का मुनाफा कमाया गया। ऐसे इनपुट्स थे कि इन सौदों और मुनाफे की रकम में टैक्स का भारी गोलमाल है। कम्प्यूटर और लैपटॉप के डाटा समेत तमाम दस्तावेज खंगालने के दौरान आईटी टीम को जिन दलालों के नाम पकड़ में आये उन पर भी एक-एक कर शिकंजा कस दिया गया। तीन दिन की जांच में कटनी शहर और माधवनगर के करीब एक दर्जन दलालों की संलिप्तता के प्रमाण मिलते ही इनकम टैक्स की टीमों ने अलग अलग इनके निवास पर जाकर भी दबिश दी और सौदे से जुड़े सारे रिकॉर्ड खंगाले। इस दौरान एक ब्रोकर के घर से मिले 50 लाख रुपये नगद ने आईटी टीम को और भी पक्के सुबूत दे दिये।

ढीमरखेड़ा तहसील के ग्राम सनकुई का मामला

पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण, एक महीने से बंद पड़े हैंडपंप, समाधान नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

तहसील के सनकुई गांव में लगे एक दर्जन हैंडपंप महीने भर से बंद है। ग्रामीणों ने पीएचई विभाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। विभाग के अधिकारी सिर्फ आश्वासन ही दे रहे हैं।ग्राम पंचायत के जिम्मेदार भी समस्या की ओर रूख नहीं कर रहे हैं। गांव के धन्य कुमार लोधी, शिव सहाय बर्मन, राधे लाल बर्मन, राजेश विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार, विनोद कुमार, रविन्द्र कुमार, महेन्द्र कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि सनकुई गांव में दो दर्जन से अधिक हैंडपंप लगे है। एक दर्जन हैंडपंप महीने भर से खराब है।पानी की जगह ये हैंडपंप हवा उगल रहे हैं। पंच प्रताप नारायण पटेल, बशीर भाईजान और कनछेदी नामदेव के घरों के समीप लगे तीन हैंडपंप ऐसे है जिनमें चलाने के बाद देरी से पानी निकलता है। वह भी गन्दा होने के कारण पीने योग्य नहीं है।गांव

में पानी पीने के लिए ग्रामीण आस पास के लोगों और बोरिंग से पानी लेने के लिए मजबूर है।ग्रामीणों ने बताया कि कुछ हैंडपंप तो इसे है जिनमें पाइप की कमी है तो कई ऐसे कि बहुत दिनों से बंद पड़े होने से हैंडपंपों की सामाग्री ही गायब हो गई है। गांव में नल जल योजना भी है। ट्यूबवेल के जरिये पानी सप्लाई होती है।लोगों के घरों में लगे नलों तक पानी भी पहुँचता है। लेकिन हवा तूफान और अन्य कारणों से बिजली गुल होने के कारण नल जल योजना का पानी घरों तक नहीं आता है। गांव में दो-तीन दिन तक बिजली न होने से पानी के लिए लोगों को परेशान होना पड़ता है।ऐसी स्थिति में लोगों को हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ता है। गांव के सत्यम नामदेव, शरद बर्मन, अजय कुर्मी,मिथलेश लोधी, अवसर कुर्मी, राहुल पटेल ने बताया कि गर्मी के दिनों में पानी की अहमियत और जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों को जलापूर्ति के सुलभ साधन हैंडपंप खराब होने से परेशानियों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।सनकुई के बस स्टैंड,कॉलोनी,स्कूल,उपसरपंच के घर के समीप सहित अलग अलग वार्डों में लगे हैंडपंप खराब है। जिससे कि इन दिनों ग्रामीणों को पानी के लिए ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसा नहीं कि ग्रामीणों ने शिकायत नहीं किया हो,जिम्मेदारों से शिकायत के बाद भी हैंडपंपों का सुधार नहीं कराया जा रहा है। जिससे कि ग्रामीण दूसरे वार्डों में पानी के लिए जाते हैं।

जिले में बढ रहा नैनो उर्वरक का इस्तेमाल

कम लागत में अधिक उत्पादन के साथ फसल की गुणवत्ता में भी सुधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

किसानों द्वारा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी उर्वरक का उपयोग बढ़ता जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक मूंग एवं उड़द फसलों के फूल एवं फल्लियां बनने की वर्तमान अवस्था में यदि किसानों द्वारा नैनो डीएपी का एक स्प्रे किया जाये तो उनके उत्पादन में 10 प्रतिशत वृद्धि की संभावना है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ आर पी बेन ने बताया कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी नैनो तकनीक पर आधारित उर्वरक हैं। इसमें नाईट्रोजन एवं फास्फोरस नैनो यानी सूक्ष्म कणों के रूप में उपस्थित होते हैं। यह कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि फसलों में स्प्रे करने पर पौधों की पत्तियों में पाये जाने वाले स्टोमेटा से पौधे के अंदर प्रवेश कर जाते है तथा 20 से 25 दिनों तक पौधे के सिस्टम में रहते है। पौधे आवश्यकता पड़ने पर इसका उपयोग करते हैं।

नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी किसानों को सीधे तौर पर लाभान्वित करते हैं। इन उर्वरकों

के उपयोग से धान में बदरा रहित खेती संभव है। साथ ही फसलों के अविकसित दानों में इन उर्वरकों के प्रयोग से दानों के आकार, वजन, चमक एवं उनकी गुणवत्ता में भी सुधार होता है। नैनो डी.ए.पी. से बीज उपचार करने से लगभग 25 प्रतिशत फास्फोरस की पूर्ति की जा सकती है। खड़ी फसल में भी किसान नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी उर्वरक का प्रयोग कर किसान दानेदार उर्वरकों की लगभग 50 प्रतिशत मात्रा की बचत कर सकते हैं। किसानों द्वारा इन उर्वरकों में कीटनाशक एवं फफूंद नाशक दवा को आवश्यकता अनुसार मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है।

डॉ बेन ने बताया कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग फसलों में स्प्रे के माध्यम से किया जाता है। जिसे फसलों की पत्तियों द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। नैनो डीएपी का उपयोग बीजोपचार के लिये भी किया जाता है। इसलिए नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी की अधिकतम उपयोग क्षमता 90 प्रतिशत हो जाती है। डॉ बेन के अनुसार दानेदार यूरिया एवं दानेदार डीएपी का उपयोग भूमि में किया जाता है। जो फसलों की जड़ों द्वारा अवशोषित कर पौधों को प्रदाय किया जाता है। इससे अधिकतर नाईट्रोजन भूमि में लीचिंग से निचली सतह में चला जाता है या वायुमंडल में वाष्पीकृत हो जाती है। फास्फोरस भी जमीन में मिट्टी के कणों के साथ फिक्स हो जाता है। दानेदार उर्वरकों की अधिकतम उपयोग क्षमता 25 से 30 प्रतिशत तक ही होती है।

वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक से प्राप्त जानकारी के अनुसार 500 मिलीलीटर की मात्रा के साथ नैनो यूरिया की एक बोतल की कीमत 2 सौ 25 रुपए है। इसमें नाईट्रोजन की मात्रा 20 प्रतिशत होती है। नैनो डी.ए.पी की 500 मिलीलीटर की बोतल में नाईट्रोजन 8 एवं फास्फोरस की 16 प्रतिशत मात्रा होती है। इसकी कीमत 600 रुपए है। यह दानेदार यूरिया, डी.ए.पी. की एक बोरी के बराबर फसलों में लाभदायक होती है। प्रति बोरी दानेदार यूरिया, डी.ए.पी. के स्थान पर फसलों में नैनो यूरिया, नैनो डी.ए.पी. का स्प्रे करने पर कृषकों को यूरिया में लगभग 41 रुपए तथा डी.ए.पी. में 7 सौ 50 रुपए प्रति बोरी की बचत होती है।

25 फीसद अधिक उत्पादन

आगामी समय में खरीफ फसलों के अंतर्गत मक्का एवं धान की बोनी से पहले 5 मिलीलीटर नैनो डी.ए.पी. से प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार किया जाये तो फसलों का अंकुरण अधिक एवं पौधे की बढ़वार सामान्य से अच्छी होगी तथा फसलों में दानेदार डीएपी की 25 प्रतिशत मात्रा का उपयोग करने पर भी उत्पादन अधिक प्राप्त किया जा सकता है।

प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने की थी खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

एक महिला द्वारा खुदकुशी के मामले में पुलिस की जांच पड़ताल में यह सामने आया कि आशिक उस पर चारीत्रिक संदेह करता था और उसे प्रताड़ित करता था, जिससे परेशान होकर उसने मौत को गले लगा लिया। इस मामले में जांच के बाद मिले साक्ष्यों के आधार पर नगर पुलिस अधीक्षक ने आरोपी के खिलाफ धारा 306 के तहत अपराध दर्ज किया है।

चरित्र पर करता था शक

सीएसपी ख्याति मिश्रा ने बताया कि प्रियंका पति शेखर त्रिपाठी 26 निवासी महलवारा थाना शाहनगर हाल निवासी कोतवाली थाना क्षेत्र अधारकाप में किराये के मकान में रहती थी। पति से विवाद चल रहा था तो अलग रहने लगी थी। इसी दौरान प्रियंका की नजदीकियां पति के दोस्त पंकज सिंह 24 निवासी छठी बम्हौरी थाना चंदला जिला छतरपुर हाल निवासी दुर्गाचौक से बढ़ीं। दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। मिलना- जुलना शुरू हो गया। लेकिन आशिक पंकज सिंह प्रियंका पर चारीत्रिक संदेह करता था और उसे प्रताड़ित करता था।

आरोपित की तलाश जारी

23-24 अप्रेल को महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था। मौत के पहले दोनों के बीच वाद-विवाद हुआ, जिसके बाद महिला ने यह आत्मघाती कदम उठाया। इस पर पुलिस ने आशिक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही है। टीआई आशीष शर्मा ने कहा कि शीघ्र ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

खबर संक्षेप

एक महिला को हर साल डस लेता है सांप, इलाज से हो जाती है ठीक

कटनी। बहोरीबंद के गुना बचैया में अनोखा मामला सामने आया है जहां एक महिला को 6 बार सांप डस चुका है, हर बार एक ही तरह का सांप उसे डसता फिर गायब हो जाता। बहोरीबंद क्षेत्र के गुना बचैया गाँव में एक सर्प और महिला से जुड़ा अनोखा मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार महिला पूजा व्यास को उनकी घर की बाड़ी में एक जहरीला सर्प छठवीं बार उन्हें काट चुका है। महिला इस सर्प से परेशान है। पीड़ति महिला का कहना था कि हर साल घर की बाड़ी में ही ना जाने कहा से सर्प आता है उन्हें काटता है फिर वह दोबारा नजर नहीं आता। महिला हर वर्ष सर्पदंश का शिकार हो कर जिला अस्पताल पहुँचती है। जो इलाज के बाद ठीक हो जाती है। महिला के पति का कहना है वह गुनिया और तांत्रिकों से झाड़फूंक से लेकर घर मे पूजा पाठ करा कर इस बला को टालने का प्रयास करता आ रहा है, लेकिन वर्ष बीतने के बाद दोबारा सर्प उनकी पत्नी को डंस लेता है। 6 बार ऐसा हो चुका है। घर में पति-पत्नी के अलावा दो छोटी बच्चियां भी है। सर्प घर के किसी अन्य सदस्य को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता। इस सर्प और महिला का क्या नाता है जो सर्प हर बार पूजा को काट कर जाता है, यह रहस्य अनसुलझी पहेली की तरह है।

किस्सू तिवारी पर 45 हजार रूपए ईनाम घोषित

कटनी। लंबे समय से फरार चल रहे किस्सू उर्फ किशोर तिवारी पिता गोवर्धन प्रसाद तिवारी निवासी हीरागंज कटनी के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में स्थाई गिरफ्तारी वारंट

जारी किया गया है। आरोपी की तलाश के हरसंभव सार्थक प्रयास किए गए, परंतु आरोपी लंबे समय से फरार है। आरोपी के फरार रहने पर पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 10 हजार रुपए के नगद इनाम की उद्घोषणा की गई थी। उक्त इनाम को निरस्त कर इनाम राशि बढ़ाकर पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर रेंज जबलपुर द्वारा 20 हजार के नगद इनाम से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है। इसी प्रकार पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन जबलपुर द्वारा भी 25 हजार के नगद इनाम से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है। आरोपी किस्सू उर्फ किशोर तिवारी पिता गोवर्धन तिवारी के विरुद्ध कुल राशि 45 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। जो भी व्यक्ति फरार आरोपी के विषय में सूचना देगा या गिरफ्तारी में सहयोग करेगा, उसे नगद राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम सर्वथा गोपनीय रखा जाएगा।

कक्षा 5 एवं 8 की पुनः परीक्षा का आयोजन 3 जून से

कटनी। स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 5 और 8 की पुनः परीक्षा सत्र 2023-24 के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कक्षा 5 और 8 की पुनः परीक्षा 3 जून से 8 जून के मध्य होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने प्रोजेक्ट कार्य के अंकों की प्रविष्टि के संबंध में कहा है कि ऐसे परीक्षार्थी, जो अनुत्तीर्ण हो गये हों या अनुपस्थित रहे हों, उन छात्रों के प्रोजेक्ट कार्य का अनिवार्य रूप से पूरा कर मूल्यांकन किया जाये। इन कक्षाओं के पुनः परीक्षा केन्द्र जन शिक्षा केन्द्र पर ही निर्धारित किये जायें। छात्रों की संख्या 500 से अधिक होने पर दूसरा परीक्षा केन्द्र राज्य शिक्षा केंद्र की अनुमति से बनाया जा सकेगा। निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा केन्द्र तक परीक्षार्थियों को पहुँचाने का दायित्व संबंधित शाला प्रमुख और शिक्षकों का होगा। परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकेंगे।

मालवाहक व आटो में ओवरलोड सवारियों के चलते कई बार हो चुकी दुर्घटनाएं

ऑटो सहित मालवाहकों में अधिक कमाई के चक्कर में करा रहे जोखिम का सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

यातायात नियमों को दरकिनार कर थोड़े ज्यादा पैसों की लालच में वाहन चालक लोगों को जोखिम भरा सफर करा रहे हैं। शहर सहित ग्रामीण अंचलों में मालवाहक वाहनों एवं तिपहिया वाहन चालक मनमाने ढंग से लोगों की जान खतरे में डालने से भी नहीं हिचकिचाते हैं। हैरानी तो यह है कि ओवरलोड व नियम विरूद्ध तरीके से लोगों को गंतव्य तक पहुंचाने वाले वाहन चालकों पर पुलिस व यातायात अमला सक्रियता के साथ कार्यवाही नहीं करता। कभी कभार ऐसे वाहन चालकों पर कार्यवाही होती है।

हादसे के बाद जागता है अमला

खासकर जिले के ग्रामीण अंचलों में आटो ओवरलोड सवारियां भर कर फर्राटे के साथ चल रहे हैं। अपने लाभ के लिये वाहन चालक यात्रियों के जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कई चालकों द्वारा तो रजिस्ट्रेशन व परमिट के बगैर ही ओवरलोड सवारियां भरकर वाहन दौड़ा रहे हैं। कई बार तो नाबालिगों को भी आटो रिक्शा चलाते देखा जा सकता है। अक्सर हादसों के बाद ही जिम्मेदारों का आंखें खुलती है।

कई बार हो चुके हैं हादसे

ग्रामीण क्षेत्र में साधनों की कमी के चलते लोग मजबूरी में ऑटो, लोडर में सफर जान जोखिम में डालकर कर रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है शहर से लेकर गांव तक बेपरवाही का आलम जारी है, लेकिन पुलिस प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। यदा-कदा चालानी कार्रवाई का कोरम तो पूरा कर लिया जा रहा है, लेकिन हादसों पर लगाम लगाने कोई पहल नहीं हो रही। सड़क हादसों को रोकने के लिए सिर्फ सड़क सुरक्षा सप्ताह सहित बैठकों में मंथन की औपचारिकता तक सीमित रहता है। जिले में ओवरलोड आटो व लोडर वाहन कई बार हादसे का शिकार हो चुके हैं जिनमें लोगों की जान तक चली गई है बावजूद इसके ओवरलोड वाहन सरपट दौड़ रहे हैं जिसके चलते हादसे हो रहे हैं और सड़कें खूनी बनती जा रही हैं।

लोडर वाहनों में भी बैठा रहे सवारी

शहर के आसपास व ग्रामीण क्षेत्र में सवारी व लोडर वाहन चालक मनमानी कर रहे हैं। कई बार तो वाहन चालक नशे की हालत में फर्राटा भरते हैं। साधनविहीन मार्गों में आटो व लोडर वाहन चालक मौके पर फायदा उठाकर ओवरलोड सवारियां बैठाते हैं। इस दौरान सवारियों को जहां दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हर समय दुर्घटना होने का भी डर बना हुआ है। इसके लिए जिम्मेदार कार्यवाई करने की बजाय मौन साधे हुए हैं। मजदूरों व श्रमिकों को भेड़ बकरियों की तरह मालवाहक वाहनों में भर कर सफर कराया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण और मां नर्मदा के लिए किया कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि संकल्प दिवस के रूप में मनाई।शासकीय महाविद्यालय उमरियापान में सीएमसीएलडीपी की कक्षाओं के दौरान स्व.अनिल माधव को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पाठ्यक्रम के परामर्शदाता शैलेश दुबे, अमर सिंह जोगी, धर्मेंद्र गर्ग, सुमित सिंह ठाकुर ने कहा कि 6 जुलाई 1956 को अनिल माधव दवे का जन्म उज्जैन के बड़नगर में हुआ था। इनके पिता माधव दवे और माता पुष्पा देवी थी। उन्होंने अपना पूरा जीवन पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। मां नर्मदा के लिए कई ऐतिहासिक कार्य किए थे।

18 मई 2017 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। वे भारतीय पर्यावरणविद् और राजनीतिज्ञ थे। जुलाई 2016 से मई 2017 में अपनी मृत्यु तक केंद्र सरकार में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया।सीएमसीएलडीपी स्टूडेंट्स आकाश सिंह और आकांक्षा मौर्य के अलावा सेक्टर प्रभारी अंकित झारिया ने कहा कि अनिल माधव दवे ने राज्य सभा सदस्य के रूप में अपने आठ वर्षों के दौरान अनेक संसदीय समितियों के सदस्य के तौर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया। पर्यावरण मंत्रालय के रूप में उनका कार्यकाल प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के व्यापक प्रयासों के रूप में विशिष्ट था।अनिल माधव ने पर्यावरण और जीवन के संतुलन को समझाया। पर्यावरण के साथ मां नर्मदा के लिए उनका अटूट प्रेम रहा।

प्रकरणों के निबटारे में ढीमरखेड़ा तहसील प्रथम स्थान पर

विशेष अभियान के तहत अब तक 1600 सीमांकन प्रकरणों का हुआ निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में लंबित सीमांकन प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चल रहा है। कलेक्टर अवि प्रसाद हर दिन इसके प्रगति की समीक्षा स्वयं करते हैं। सीमांकन प्रकरणों के निपटारे में बेहतर कार्य करने वाले राजस्व कर्मियों को प्रोत्साहित करने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जा रहा है। जिले में अब तक 1 हजार 600 सीमांकन प्रकरण निपटाये जा चुके है। अर्से से लंबित सीमांकन मामलों के निपटने से किसान भाईयों ने खुशी का इजहार किया है।

बताते चलें कि कलेक्टर श्री प्रसाद ने बीते दिनों राजस्व अधिकारियों को आर.सी.एम.एस. पोर्टल पर लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज लंबित सीमांकन प्रकरणों को समय-सीमा में प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए थे। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि वर्तमान में खेतों से फसल की कटाई हो जाने से खेत खाली है। जिससे सुविधाजनक ढंग से सीमांकन कार्य किया जा सकता है। कलेक्टर के निर्देश के बाद जिले में सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की दिशा में हुई कारगर पहल की वजह से इसके निराकरण में तेजी आई है।

कलेक्टर के निर्देश के बाद सीमांकन प्रकरणों के निराकरण के मामले में जिले की तहसीलों में ढ़ीमरखेड़ा तहसील 236 सीमांकन प्रकरणों का निराकरण कर निरंतर अव्वल स्थान पर है। जबकि कटनी नगर 175 मामलों के निपटारे के साथ दूसरे स्थान पर है और बरही तहसील ने 156 सीमांकन प्रकरणों का निपटारा कर तीसरे पायदान पर है। इसी प्रकार स्लीमनाबाद तहसील द्वारा चौथे स्थान में रहकर 149 सीमांकन प्रकरणों का निपटारा किया जा चुका है।जबकि तहसील रीठी द्वारा पांचवें नंबर पर रहकर अब तक कुल 148 सीमांकन प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है।

वहीं विजयराघवगढ़ तहसील सीमांकन मामलों के निराकरण के नजरिए से जिले में छठवें पायदान पर है,यहां 147सीमांकन निपटाये गये एवं बहोरीबंद मे 144 सीमांकन प्रकरण निराकृत कर जिले में सातवें स्थान पर है। वहीं जिले की बड़वारा तहसील द्वारा 137 सीमांकन प्रकरण निपटाकर आठवें स्थान पर और कटनी तहसील 134 सीमांकन प्रकरण के निपटारे के साथ नौवें और अंतिम पायदान पर है।

कलेक्टर श्री प्रसाद और अपर कलेक्टर साधना परस्ते द्वारा सीमांकन प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा की जाकर राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये जा रहे है। सीमांकन प्रकरणों के निपटारे में आई तेजी की वजह से बड़ी संख्या में किसान भाइयों से सीमांकन के आवेदन प्राप्त हो रहे है।

कटनी नदी को स्वच्छ बनाने चलाया जा रहा अभियान

रविवार से कटनी नदी सफाई अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान में नगर निगम व जिला प्रशासन की टीम मौजूद रही उन्होंने अभियान में हर संभव मदद किया व आश्वासन दिया है कि वह निरंतर सफाई अभियान चलाएंगे जिसमें जल्द ही कटनी नदी साफ जल्द ही स्वच्छ हो जाएगी। इस अभियान में कटनी नगर के विभिन्न समाज सेवी संगठन विद्यालोक सेवा फाउंडेशन, श्री महाकाल सेवा सरकार समिति, क्षत्रिय सेवा समिति, कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी, सर्वशक्ति महिला सेवा समिति, समर्थ युवा शक्ति कटनी, कटनी डेवलपमेंट एसोसिएशन,कटनी सेवा समिति आदि संगठनों ने अपना विशेष योगदान दिया। श्रम सेवा अभियान में समाज सेवा संगठनों ने सभी जनता से अपील की गई थी कटनी नदी में किसी भी प्रकार की सामग्री पूजन सामग्री विसर्जित ना करें जिस नदी का प्रदूषण फिर ना बढ़ जाए।

कार्यवाही और समझाइश के बाद भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने तैयार नहीं चालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

यातायात नियमों को दरकिनार कर कानून की आंख में धूल झोंककर चालानी कार्यवाही से तो बचा जा सकता है लेकिन हेलमेट न होने पर होने वाली दुर्घटना में चोट और मौत को तो नही टाला जा सकता। वाहन चालन के दौरान हेलमेट की अनिवार्यता के बावजूद लोग इसके उपयोग से कतरा रहे है। यही वजह है कि सड़क हादसों में मौतो का ग्राफ कम होने का नाम नही ले रहा है। इस तरह लोगो को जान देना मंजूर है लेकिन हेलमेट नही।

सड़क हादसों में मौत के ग्राफ को कम करने के लिये शासन द्वारा दोपहिया वाहन सवारो के लिये हेलमेट की अनिवार्यता की गई है। हेलमेट का उपयोग किसी के दवाब में उपयोग का कार्य नही है बावजूद इसके लोग इसे नही अपना रहे है।

आमतौर पर महज 20 फीसद लोग ही हेलमेट का उपयोग करते है। ग्रामीण अंचलो में इसका उपयोग न के बराबर है। शहर में पुलिस की चालानी कार्यवाही से बचने के लिये अनेक दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का दिखावे के लिये उपयोग तो कर रहे है लेकिन अधिकतर वाहन चालक हेलमेट उपयोग करते ही नहीं है। सड़क हादसो में खासकर सिर की चोट लगने से बचाने में हेलमेट अहम भूमिका निभाता है। वाहनों की चेकिंग और जागरूकता अभियानों में वाहन चालकों को हेलमेट की उपयोगिता की जानकारी दी जाती है लेकिन वाहन चालक इस ओर कोई ध्यान नहीं देते।

शहर के अति व्यस्ततम क्षेत्रों में वाहन चालक व राहगीर हो रहे परेशान

सड़क पर किया जा रहा व्यापार, व्यस्त बाजार क्षेत्र में हाल सबसे ज्यादा बेकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर के मुख्य मार्ग सहित बाजार क्षेत्रों में चलना टेढ़ी खीर है। सड़क पर दुकान लगाकार कारोबार तथा वाहनों की बेतरतीब पार्किंत यातायात का बाजा बजा रही है। गोलबाजार, सराफा बाजार, सिल्वर टॉकीज गली, झंडा बाजार, क्षेत्र में यदि किसी भी समय जायजा लिया जाये तो हकीकत से रूबरू हो सकते हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां सुबह से 11 बजे के बाद आप बेरोकटोक होकर नहीं गुजर सकते हैं। फुटपाथी व्यवसायी के साथ दुकानदार भी अपनी सामग्री सड़क पर रख देते हैं जिससे सड़कों की चौड़ाई कम हो जाती है। झंडा बाजार में तो हालत ऐसी हो जाती है कि एक साथ दो दोपहिया वाहन भी बमुश्किल से क्रास हो पाते हैं। निगम प्रशासन व यातायात अमले को इस ओर ध्यान देने की कोई फुर्सत ही नहीं हैं। लोग जाम के साथ अनचाहे सिरदर्द का सामना कर रहे हैं।

कुछ ऐसा ही हाल बिलैया तलैया सब्जी मंडी का भी है। यहां से सब्जियों का थोक कारोबार हटने के सालो का समय गुजर जाने के बावजूद अव्यवस्थायें जस की तस है। मंडी में अतिक्रमण, जाम और गंदगी स्थायी समस्या बनी हुई है। बदहाली और शोर शराबा के बीच रहने की तो स्थानीय सब्जी व्यापारियो की आदत में शुमार हो गया है लेकिन सब्जी खरीदी के लिये पहुंचने वाले जनसामान्य को यहा हद दर्जे की बदइंतजामियां झेलनी पड़ रही है। दरअसल सब्जी मंडी में व्याप्त अव्यवस्था से यहां दुकान लगाने वाले व्यापारियों से लेकर सब्जी मंडी में व्यवस्था सुधारने को लेकर जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है।

एक तो दुकानदारो द्वारा आगे बढ़ाकर दुकान लगाने और उपर से वाहनो की आवाजाही के चलते जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। इस बारे में यातायात विभाग द्वारा भी कोई कार्यवाही नही की जाती। सब्जी मंडी में सब्जी लेने वालो के लिये आने वाले लोग असुविधाओं को लेकर जिम्मेदारो कोसते है। लोगो का कहना है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा सुविधाओं के नाम पर टैक्स तो भरपूर लिया जाता है लेकिन सब्जी मंडी जैसी सार्वजनिक जगह में सुगम व्यवस्थायें भी नही की जा रही है। जिससे लोगो को परेशानी व असुविधा झेलनी पड़ रही है।

दुकान को बनाया गोदाम

सब्जी मंडी में निगम प्रशासन द्वारा तो दुकाने व्यापार के लिये आवंटित की गई है लेकिन लगभग हर दुकानदार ने उपरी कमाई के लिये या तो सिकमी किरायेदार रख लिया है स्वयं ही अपनी दुकान सड़क पर चला रहे हैं जबकि दुकान का उपयोग गोदाम के रूप में कर रहे हैं। स्थायी दुकानदारो ने कमाई के कई नये रास्ते ढूढ़ लिये है जिससे आमजनों को परेशानी होती है। प्रशासन द्वारा सब्जी मंडी का दवाब कम करने थोक कारोबारियों के लिये चाका में पृथक से मार्केट बनाकर जगह आवंटित की है बावजूद इसके इस क्षेत्र में परेशानियां आज तक कम नहीं हो सकी हैं।

करीब डेढ़ दर्जन बाघों की दस्तक, वन विभाग भी बनाये हुए है नजर

बरही वन परिक्षेत्र के दर्जनों गांवों में वनराज की चहलकदमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

गर्मी के दिनों में बड़वारा परिक्षेत्र के बरही के जंगलों में इन दिनों डेढ़ दर्जन बाघों की चहलकदमी है। बाघ जंगल से बाहर न आए, इसको लेकर वन विभाग भी उनकी खातिरदारी में जुटा हुआ है।

जंगल के अंदर बनाए गए सोंसर व तालाबों में टैंकरों से पानी भरवाया जा रहा है। बरही के कुआं, करेला, सलैया सिहोरा, झिरिया, लुरमी, बंजर बरेला, मचमचा, करौंदी खुर्द, करौंदी कला, कुठिया महगवां, ताली रोहनिया, पिपरिया कला, गढ़ौहा सहित अन्य गांवों में जंगल जाने वालों को आए दिन बाघ के दर्शन होते रहे हैं। बांधवगढ़ की सीमा से सटे जंगलों में इन दिन लगभग 18 बाघ चहलकदमी कर रहे हैं। जिनमें से कभी-कभार लोगों को रास्ता पार करते समय भी बाघों के दीदार होते हैं। बाघों के साथ ही शावकों सहित बाघिनों ने भी अलग-अलग क्षेत्रों में अपना ठिकाना बनाया हुआ है।

वन विभाग के अधिकारियों की मानें तो बांधवगढ़ में तेजी से बढ़े बाघों के कारण उनको अपना क्षेत्र बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है और इसके चलते कई बाघों ने बरही क्षेत्र के जंगलों को अपना ठिकाना बना लिया है। वर्चस्व की लड़ाई से बचने के लिए वे साल भर बरही के जंगलों में घूमते फिरते और शिकार करने पहुंचते हैं। दूसरी ओर बाघिन शावकों के साथ यहां के जंगलों में देखने को मिलती हैं। उसका कारण यह है कि शावकों को बड़े बाघों से खतरा रहता है और उनकी सुरक्षा को लेकर वे बरही के जंगलों को बांधवगढ़ से अधिक सुरक्षित मानती हैं। जिसके लिए वे बरही से लेकर ढीमरखेड़ा वन परिक्षेत्र के शाहडार के घने जंगल तक विचरण करते हैं।

पिछले वर्षों में गर्मी के दिनों में आए दिन लोगों को गांव के किनारे व सड़कों पर बाघ देखने को मिलते थे। उसका कारण माना जाता है कि जंगल में पानी की कमी के कारण बाघ गांवों के नजदीक के जल स्त्रोतों के आसपास पहुंचते थे। जिससे उनकी जान और आमजन की जान को भी खतरा रहता था। इस साल गर्मी शुरू होने के साथ ही वन विभाग उनकी सेवा में जुट गया है ताकि वे जंगल में ही शिकार करें और वहीं पर उनको पानी की उपलब्धता हो।

इसके लिए जंगलों के बीचों-बीच बनाए गए सोंसरों में लगातार पानी भरवाने का काम वन अमला कर रहा है तो दूसरी ओर जंगल के अंदर के छोटे-छोटे तालाबों में भी टैंकरों के माध्यम से पानी भरवाया जा रहा है। इसके पीछे एक कारण यह भी है कि बाघों को पानी के साथ ही जल स्त्रोतों के आसपास उनको शिकार भी उपलब्ध हो जाते हैं। इसमें वन समितियों का भी सहयोग वन विभाग ले रहा है। पानी की उपलब्धता के चलते इस साल अभी तक बरही क्षेत्र में गांवों के आसपास बाघों की चहलकदमी न के बराबर रही है।

इस संबंध में वन संरक्षक गौरव शर्मा का कहना है कि बांधवगढ़ में बाघों की संख्या बढ़ने से बरही के जंगलों में पिछले कुछ वर्षों से बाघों की चहलकदमी बढ़ी है। वर्तमान में बाघ, बाघिन व शावक मिलाकर लगभग डेढ़ दर्जन वन्यप्राणी बरही के जंगलों में विचरण कर रहे हैं। जिनको जंगल के अंदर ही पानी उपलब्ध कराने का कार्य कराया जा रहा है ताकि वे बाहर न आए। इसके साथ ही उनकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

चलित पशु चिकित्सा इकाई से 6 हजार पशुओं को मिला उपचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पशु संजीवनी योजनान्तर्गत जिले में 7 चलित पशु चिकित्सा इकाईयां संचालित है। जिसमें सभी विकासखंड में एक -एक और जिला मुख्यालय में भी अलग से एक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई का वाहन है। चलित पशु चिकित्सा इकाईयों की मदद से अब तक 5 हजार 763 पशुओं का पशुपालकों के घर पहुंच कर उपचार सुविधा मुहैया कराई गई।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ आर के सिंह ने बताया कि पशुपालक के घर पहुँच कर पशुओं का उपचार करते हुए सशुल्क 150 रुपए प्रति पशु के मान से शुल्क पशुपालक से लिया जाता है। मोबाइल वाहन चालित पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से उपचार शुल्क के रूप में अब तक 8 लाख 64 हजार 450 रुपए जिला पशु कल्याण के खाते में में जमा किये गए है। इस सेवा के अंतर्गत प्रशिक्षित पशु चिकित्सा अधिकारी, पैरावेट डिप्लोमा होल्डर एवं वाहन चालक मैत्री,सहायक प्रत्येक केस अटेंड करने जाते है।

घर पहुंचकर उपचार

डॉ सिंह ने बताया कि जिले में पशु संजीवनी योजना का संचालन सुचारू रूप से हो रहा है, एवं सभी जरुरतमंद पशु पालकों के पशुओं का उपचार समय पर घर पहुँच कर किया जा रहा है।

टोल फ्री नंबर 1962 पर काल कर लें सकते हैं लाभ

डॉ सिंह ने बताया कि पशुपालक भाई अपने बीमार पशु के उपचार के लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर प्रातः 8 बजे से शाम 4 बजे के बीच काल कर चलित पशु चिकित्सा इकाई का लाभ ले सकते हैं।

खबर संक्षेप

खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर में लगी आग

गुनौर । गुनौर थाना क्षेत्र के पूरेना गांव में रविवार दोपहर घर में खाना बनाने के दौरान गैस सिलिंडर में आग लग गयी. आग की लपटें इतनी तेज थी कि पुरे घर को अपने चपेट में ले लिया मिली जानकारी के अनुसार पूरेना निवासी अशोक चौधरी के घर में खाना बन रहा था . इसी दौरान गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गयी. हालांकि इस अगलगी की घटना में जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है. घर में आग लगने पर ग्रामीणों ने आग बुझाने में काफी मशक्कत की. आग की लपटें तेज होने के कारण अग्निशमन एवं गुनौर 100 को सूचना दी गयी. घटना के कुछ देर बाद ककरहटी अग्निशमन दल मौके पर पहुंचकर कर्मी रजा मोहम्मद एवं उनका साथी डाल 100 चालक पुरुषोत्तम लखेरा , आरक्षक 507 वीरन यादव आदि ने काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया. गृहस्वामी के मुताबिक अगलगी की घटना से घर गृहस्ती का सामान जलकर राख हो गया1

शासकीय तालाब को अतिक्रमण से बचाने के लिए जिला मुख्यालय तक की गुहार

पन्ना ।सार्वजनिक व्यवस्था पेयजल को लेकर तालाब गांव हो या शहर बनाये गये प्राचीन समय आज हालात कुछ बदल गये अब सार्वजनिक तालाब अतिक्रमणकारियों की चपेट में आ गये। पर देर ही सही अभी भी वह दिन दूर नहीं जब जनता इन सार्वजनिक व्यवस्था के तालाबों को कुछ निहित स्वार्थी अतिक्रमणकारियों से तालाबों को मुक्त कराने के लिए स्वयं आगे आये है। वह उदाहरण जिले की गुनौर तहसील अंतर्गत ग्राम गंज में जहां एक तालाब में अतिक्रमण करके जोतने की जमीन की दास्ता के विरोध में ग्रामीण जिला मुख्यालय तक पहुंचे जहां अपर कलेक्टर को आवेदन दिया जहां से गुनौर एस.डी.एम. को जिम्मेदारी दी गई तालाब को अतिक्रमणकारी से मुक्त कराने की अब देखना यह है कि आम जनता ने तो अपना काम किया जहां प्रशासन तक तालाब को बचाने के लिए लगभग 40-50 किलोमीटर दूरी तय करके फरियाद सुनाई वहीं आम जनता के हित को ध्यान में रखकर अब गुनौर एस.डी.एम. कब तक ग्राम गंज के इस तालाब को अतिक्रमणकारी से मुक्त करायेगें ताकि आम जनता का विश्वास प्रशासन पर कायम हो आखिर सार्वजनिक तालाब सभी के लिए वहीं पशु पक्षी सभी के लिए पानी की जरूरत फिर ये तालाब अतिक्रमण में कैसे अपना अस्तित्व खो देते है सबसे बड़ा सवाल शासकीय जमीन जहां भी है उस पर माफियाओं की नजर अतिक्रमणकारी आगे आकर अतिक्रमण करते है ।

विद्युत मंडल के अधिकारी-कर्मचारी कर रहे मनमानी

भीषण गर्मी में विद्युत कटौती होने से जन जीवन अस्त-व्यस्त, 4 घंटे रहा ब्लैकऑउट

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

इन दोनों पड़ रही भीषण गर्मी और बीच-बीच में छुट पुट बरसात हो जाने की स्थिति में उमस भरी गर्मी के कारण विद्युत की आज घोषित कटौती से आम जन जीवन प्रभावित होने के कारण उपभोक्ता में रोष बढ़ता चला जा रहा। हर घंटे में नगर के किसी भी वार्ड में घोषित आंख में चोली सोचनीय विषय बना हुआ है। जहां शनिवार की मध्य रात्रि 11:30 बजे अचानक गांधी वार्ड की लाइन में फाल्ट बन गया जिससे पूरे नगर की विद्युत व्यवस्था ठप्प हो गई जिससे पूरे शहर में ब्लैक आउट छा गया लोग उमस भरी गर्मी की बेचैनी से घर से बाहर निकल कर सड़कों पर आ गए नगर में हाहाकार मच गया छोटे-छोटे बच्चे गर्मी से तड़प रहे थे लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं था उपभोक्ता अधिकारियों व लाईनमैनों को फोन लगा रहे थे लेकिन किसी के पास कोई जवाब नहीं मिला ऐसा माजरा लगभग 4 घंटे तक चला जिससे लोग विद्युत मंडल को कोसते हुए नजर आ रहे थे। उल्लेखनीय है कि गर्मी के दिनों में अधिक लोड होने के कारण लाइन हीट होकर टूटकर गिर रही है थोड़े-से ही हवा के झोंके में अचानक लाइन फाल्ट हो जाना, कभी जम्फर टूट जाना, तो बड़ी लाइन से बिजली बंद हो जाना तहसील मुख्यालय पर अब आम विषय हो गया है। क्योंकि यह कोई आज का नया विषय नहीं है हटा के विभिन्न वार्डों में जर्जर विद्युत केबल लाइन डाली हुई है जो आए दिन टूट कर गिर जाती है। लाइन टूटकर गिरने या हवा के झोंके के कारण जहां आम उपभोक्ता भीषण गर्मी में परेशान हो जाते हैं वहीं विद्युत कर्मी भी टॉर्च के उजाले में आधी रात को लाइन ठीक करने खंबों पर सुधार कार्य करते हुए देखे जा रहे हैं।

प्रभावित हो रहे धंधे

इन दोनों पड़ रही भीषण उमस भरी गर्मी के कारण अचानक बिजली गुल हो जाने लोगों का जनजीवन प्रभावित हो जाता है वहीं बिजली से चलने वाले उपकरण और विद्युत पर आश्रित धंधों की यह स्थिति बनी हुई है कि इलेक्ट्रॉनिक, फोटोकॉपी, कंप्यूटर दुकानदार, आटा चक्की व्यवसाय हाथ पैर हाथ रखकर बैठे रहते हैं। मेंटिनेंस को लेकर भी दिन दिन भर लाइन बंद रखना मानवीय दृष्टिकोण से न्याय संगत नहीं लगता। वैसे भी लोग तेज धूप के बीच अपना दिन किस तरह से निकाल रहे हैं ऊपर से आने वाले दिनों में मेंटिनेंस को लेकर शाम 5-6 बजे तक लाइन बंद रखने से उपभोक्ता परेशान हो जाते हैं। इस समय सुबह जल्दी शुरू हो जाए और दोपहर 12 तक मेंटेनेंस हो जाता है तो उपभोक्ता भी परेशान नहीं होंगे और कर्मचारी भी चिलचिलाती धूप में नहीं झुलस पाएंगे। लेकिन हटा विद्युत मंडल का रवैया ही अलग है अगर बिजली किसी एक लाइन में फॉल्ट है तो यहां पूरे नगर की लाइट व्यवस्था बंद कर दी जाती है। यहां बिजली मरम्मत के नाम से बराबर बिजली बंद कर मेंटिनेंस किया जाता है परंतु मेंटिनेंस के नाम से सिर्फ खानापूर्ति होती है, अगर सही तरीके से मेंटेनेंस हो तो प्रतिदिन लाइन की फाल्ट भी नहीं होगी। विभाग में बैठे उच्च अधिकारी को इस पर संज्ञान लेकर फाल्ट के नाम से घंटों कटौती पर विराम लगाना चाहिए। लेकिन विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी अपनी मनमानी पर उतारू है और मेंटेनेंस का कार्य आउटसोर्स कर्मचारी के भरोसे छोड़ दिया गया जिसका खामियाजा नगर व क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

इ्यूटी के दौरान इंटेकवेल से नीचे गिरा नपा का कर्मचारी, गंभीर हालत में रेफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

नगर में रेस्ट हाउस के समीप बने इंटेकवेल पर रात्रि में ड्यूटीरत नगर पालिका कर्मचारी के अचानक नीचे गिर जाने का घटनाक्रम सामने आया है जिसे घायल अवस्था में नपा कर्मचारियों द्वारा इलाज हेतु सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां ड्यूटीरत डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार उपरांत रविवार की दोपहर उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार नगर में पेयजल सप्लाई हेतु रेस्ट हाउस के पास सुनार नदी के किनारे बने इंटेकवेल पर नगर पालिका कर्मचारी नीरज पिता रमेश प्रसाद कोरी उम्र 35 वर्ष शनिवार की रात्रि में अपनी ड्यूटी कर रहा था जो मध्य रात्रि में वहीं पर गहरी नींद में सो गया कि अचानक रात्रि में लगभग 11:30 बजे नींद में नीचे गिर गया जिसकी सूचना पीड़ित द्वारा स्वयं नगर पालिका को दी गई जिसे तुरंत ही सिविल अस्पताल हटा ले जाया गया। जहां डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया जिस दौरान बताया गया कि नीरज के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं वहीं दोनों हाथ भी फैक्चर बताए गए जिसे इलाज हेतु रविवार की दोपहर उसे 108 वाहन की मदद से जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया जहां उसका इलाज जारी है। वहीं रात्रि में कर्मचारी के इंटेकवेल से गिरने की जानकारी मिलते ही सीएमओ राजेंद्र खरे एवं स्टाफ के कर्मचारी सिविल अस्पताल पहुंच गए जिसकी सूचना पुलिस थाना को भी दी गई जहां पुलिस ने सिविल अस्पताल पहुंचकर इलाजरत नीरज के कथन लिए।

आचार्यश्री के प्रकल्पों को हम सब मिलकर पूर्ण करें: मुनिश्री निष्पक्षसागरजी महाराज

दमोह। सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में युग श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से पूज्य मुनि श्री निष्पक्ष सागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कुंडलपुर है बड़े बाबा का दरबार गुरु जी की कृपा है जेष्ठश्रेष्ठ मुनि श्री का आशीर्वाद है। घर होता है परिवार होता है बड़े बुजुर्ग होते हैं उन बड़े बुजुर्गों से हमें बहुत कुछ सीखने, समझने, सुनने मिलता है ।यदि वह बुजुर्ग हमें हमारी संस्कृति से परिचित न कराते हमारी विरासत से परिचित न कराते तो हम शून्य है। यह बुजुर्गों का ही पुण्य है हमारे सामने प्रतिफल है बुजुर्गों का पूर्वजों का कि आज आप और हम यहां बैठे हैं ।यदि उन्होंने यह संस्कार न दिए होते यह संस्कृति न दी होती तो हम कहां होते आप कहां होते। यह सब संस्कारों का ही प्रताप है प्रभाव है उन संस्कारों का ही प्रताप आज फलीभूत हो रहा है। आचार्य भगवन विद्यासागर जी महाराज हम सबके बीच में थे उन्होंने हम सबको संस्कारित किया मार्ग दिया दिशा दी हमारी दशा को व्यवस्थित किया ।जो घर में बुजुर्ग होते हैं घर में ग्रहस्थ लोग होते जो दादाजी होते वे नाती के सामने बोलते मैंने बहुत कुछ सोचा था अब शरीर साथ नहीं दे रहा है उम्र का प्रभाव है रोगों ने घेर लिया सक्षम नहीं हूं। मैंने सपना देखा है मैंने परिकल्पना की है मैं परिकल्पना को पूर्ण शायद नहीं कर पाऊंगा लेकिन आप लोग तो हैं जब सामान्य से दादाजी की छोटी सी इच्छा को परिकल्पना को विचार को पूर्ण करने ऐसा बोला दादाजी की ऐसी इच्छा थी तो हमें पूर्ण करना चाहिए। हमारे आध्यात्मिक के पुरोधा गुरुवर आचार्य विद्यासागर जी महाराज एक दादाजी के रूप में उन्होंने हमें बहुत कुछ दिया बहुत कुछ क्या सब कुछ दिया नहीं तो मैं तो शून्य था। आज मुनि श्री योग सागर जी का हाईकू याद आ रहा है सुंदर हाइकू है। मैं तो शून्य था संख्या के पीछे आया मूल्यता आई ।शून्य का कोई मूल्य नहीं होता उसके पीछे एक लिख दो तो उसका मूल्य हो जाता करोड़ों की संख्या हो जाती हम सब शून्य थे आचार्य महाराज ने सब कुछ दे दिया वह जो साधारण ग्रहस्थ हैं वह भी दादाजी के सपने को पूर्ण करने में एड़ी चोटी का जोर लगाते। हमारे पिताजी ,दादाजी ,माता जी सब कुछ वो ही थे ।आजकल एक भजन बहुत सुनने में आ रहा है उसकी एक दो पंक्तियां। उनने हमको सब कुछ दिया हम उनको कुछ ना दे पाए । उनने सब कुछ दिया अब हमारी बारी है हम सब की बारी है उनके प्रति अपनी विनयांजलि अपनी कृतज्ञान्जली हमारे गुरुदेव ने कुछ प्रकल्प प्रारंभ किये जो इस जैन संस्कृति को जीवित रखने वाले है इस जैन संस्कृति का गुणगान और यशगान बढ़ाने वाली है। स्थापत्य कला से निर्मित होने वाले जो पाषाण के जिनालय और उनमें निर्मापित होने वाली अष्टधातु के जिनविम्ब जिनकी उम्र युगों युगों तक हजारों वर्षों तक जैनत्व की गौरव गाथा का गुणगान करेंगी। उनमें से बहुत से प्रकल्प आचार्य भगवान ने पूर्णता को प्राप्त होते देखे हैं और कुछ उनके सपने रह गए। जाते-जाते आचार्य भगवन अमरकंटक पंचकल्याणक के बाद सहस्त्रकूट जिनालय को जिन्होंने पूर्ण होते देखा। ऐसे 18--20सहस्त्रकूट जिनालय का शिलान्यास उनके माध्यम से हो चुका है ।प्रतिकूलता में उन्होंने कभी हार नहीं मानी रोग ने उनको हरा दिया लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी ।उन्होंने अपने आप को कभी बूढ़ा नहीं माना बुजुर्ग नहीं माना ,उत्साह से भरे होते थे। आचार्य भगवान के सपनों को पूर्ण करने में हम सभी को सहभागी बनना है। आचार्य समय सागर जी महाराज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सभी संघ को आगे

प्रकृति ने अन्य जिलों की तुलना में समृद्धता दी

पन्ना। अब कैसे विकास को लेकर आम आदमी के लिए हो पहल जिम्मेदार ही मजबूर, जनप्रतिनिधियों की सोच अन्य जिलों की तुलना में स्वयं ऑकलन में अपने तक जिले में विकास को लेकर आज वर्तमान समय में अपने पड़ोसी जिलों से ही तुलना की जाये तो पन्ना जिला पीछे माना जा रहा है। शिक्षा हो स्वास्थ्य या फिर उद्योग या यातायात संसाधनों में रेलवे हो या अन्य विकास की उद्योग की दास्ता। पन्ना जिला पड़ोसी जिलों से विकास के क्षेत्र में पीछे होने को लेकर अभी भी दंश के रूप में अपनी आप बीती दास्ता को लेकर झेल रहा है।

माता सुनीति जैसे ह्रदय के भाव बनाओ, ध्रुव की तरह परम भक्त बन जायेगा पुत्र : ऋषिकांत गर्ग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनवार

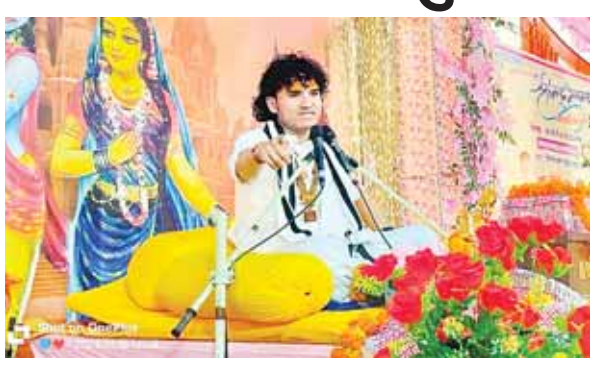

हिंडोरिया पिपारिया में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन प्रवक्ता बालव्यास पं.ऋषिकांत गर्ग जी ने कथा के दौरान कहा कि मनु और शतरूपा के दो पुत्र और तीन पुत्रियां हुईं। पुत्रों के नाम प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं। एक का नाम सुरुचि और दूसरी का नाम सुनीति था। राजा सुरुचि को अधिक प्यार करते थे। उनके पुत्र का नाम उत्तम और सुनीति के पुत्र का नाम ध्रुव था। बालक ध्रुव एक बार पिता की गोद में बैठने की जिद करने लगता है लेकिन सुरुचि उसे पिता की गोद में बैठने नहीं देती है। ध्रुव रोता हुआ मां सुनीति को सारी बात बताता है। मां की आंखों में आंसू आ जाते हैं और वह ध्रुव को भगवान की शरण में जाने को कहती हैं। पांच वर्ष का बालक ध्रुव राज्य छोड़कर वन में तपस्या के लिए चला जाता है। नारद जी रास्ते में मिलते हैं और ध्रुव को समझाते हैं कि मैं तुम्हें पिता की गोद में बैठाउँगा लेकिन ध्रुव ने कहा कि पिता की नहीं अब परम पिता की गोद में बैठना है। कठिन तपस्या से भगवान प्रसन्न हो वरदान देते हैं। भक्त प्रहलाद की कथा सुनाते हुए व्यास जी ने कहा कि पिता अगर कुमार्ग पर चले तो पुत्र का कर्तव्य है उसे सही मार्ग पर लाए। तमाम विपरीत परिस्थितियों के बाबजूद प्रहलाद ने भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। भगवान ने नरसिंह रूप में अवतार लेकर हिरण्यकश्यप का वध कर अपने परमधाम को पंहुचाया।

सुदामाजी भगवान श्रीकृष्ण के निष्काम भक्त थे : पं रवि शास्त्री

दमोह। स्थानीय तीन गुल्ली पर अमित सिरोठिया के निवास पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवे दिवस में कथा वाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री जी महाराज ने बताया कि एक ब्राह्मण भगवान श्री कृष्ण के परम मित्र थे वे बड़े ज्ञानी विषयों से विरक्त शांतचित्त तथा जितेन्द्रिय थे वे गृहस्थ होकर भी किसी प्रकार का संग्रह परिग्रह न करके प्रारब्ध के अनुसार जो भी मिल जाता। उसी में सन्तुष्ट रहते थे उनके वस्त्र फटे पुराने थे उनकी पत्नी के वस्त्र भी वैसे ही थे। उनकी पत्नी का नाम सुशीला था नाम के अनुसार वह शीलवती भी थीं वह दोनों भिक्षा मांगकर लाते और उसे ही खाते लेकिन यह बहुत दिन तक नहीं चल सका। कुछ वर्षों के बाद सुशीला इतनी कमजोर हो गईं कि चलने फिरने में उनका शरीर कांपने लगता तब सुशीला का धैर्य थोड़ा कम हुआ और उन्होंने सुदामा जी से प्रार्थना की कि वह अपने बचपन के मित्र श्री कृष्ण के पास जाएँ वे शरणागतवत्सल हैं। यदि अपनी स्थिति से उनको परिचय कराएगें तो वह अवश्य ही हमारी मदद करेंगे। ऐसा सुनकर वह अपनी पत्नी से बोले यदि कोई भेंट देने योग्य वस्तु है तो दे दो। तब सुशीला ने पड़ोस के घर से चार मुट्ठी तन्दुल माँगे और अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उसमें बांध कर दे दिए सुदामा जी चल पड़े चलते-चलते वह जंगल के रास्ते समुद्र की खाड़ी के पास पहुँचे। भूख-प्यास से व्याकुल होकर वो वहीँ रास्ते में थककर सो गए। श्री कृष्ण अंतर्यामी तो थे ही उन्होंने देखा उनका प्रेमी भक्त सुदामा उनसे मिलने आ रहा है। वो नहीं चाहते थे कि सुदामा को किसी प्रकार का कष्ट हो इसलिए उन्होंने योगमाया से जैसा कहा उन्होंने वैसा ही किया जब प्रातःकाल सुदामा जी ने अपनी आँखें खोलीं तो देखा कि द्वारकाधीश भगवान की जय जयकार हो रही थी। सुदामा जी कुछ समझ ना पाए और अपने पास में खड़े व्यक्ति को अपना परिचय देते हुए कहा मैं श्री कृष्ण का मित्र हूँ और उनसे मिलना चाहता हूँ उस व्यक्ति ने कहा वो सामने महल है जहाँ द्वारपाल खड़े हैं वहाँ चले जाओ। द्वारपालों को सुदामा की अवस्था देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ और उन्होंने सुदामा जी के आने का सन्देश श्री कृष्ण को दिया। श्री कृष्ण ने जैसे ही द्वारपालों के मुख से सुना सुदामा आये है वे पलंग से कूद पड़े, दौड़ पड़े और सातों दरवाजो को पार करते हुए बाहर आ गए। उन्हें देखकर भगवान श्री कृष्ण के आंसू बहने लगे और उन्होंने सुदामा को अपने हृदय से लगा लिया। द्वारपालों को यह देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ सुदामा भी अपने बचपन के सखा को देखकर आनंदित हुए। उनके नेत्रों से भी अश्रुधारा बहने लगी। श्री कृष्ण सुदामा का हाथ पकड़कर अन्दर ले आये और उन्हें अपने पलंग पर बैठा दिया। स्वयं नीचे बैठ गए और सुदामा जी के चरण अपनी गोद में रखे। भगवान श्री कृष्ण ने रुकमणि जी से थाल और जल मंगवाया। वह जितनी देर में जल ला ही रही थीं श्री कृष्ण ने अपने आँसुओं से ही उनका चरण प्रक्षालन कर दिया। भगवान ने सुदामा जी का पाँव देखा तो उसमें कांटा चुभा हुआ था भगवान ने बिना किसी देरी के झट अपने मुख से ही कांटे को निकल दिया। सुदामा जी का चरण प्रक्षालन किया पूजन किया। उसके बाद अपनी सभी रानियों को इशारा किया प्रणाम करो आर्शीवाद लो ये सिद्ध महापुरुष हैं। रुक्मणि जी सत्यभामा जामवंती आदि सभी देवियों ने प्रणाम किया और आर्शीवाद लिया। श्री कृष्ण ने सुदामा जी से पूछा मित्र आपने विवाह किया है कि नहीं। सुदामा जी ने कहा मैंने किया तो है लेकिन एक ही किया है श्री कृष्ण बोले अच्छा विवाह किया है तो भाभी जी ने कुछ मेरे खाने पीने को तो भेजा होगा। अब सुदामा जी को संकोच लगने लगा उनको लग रहा था इतने बड़े-बड़े रत्नजटित महल हैं और ये मैं चार मुट्ठी तन्दुल निकाल कर दूंगा। इनकी सभी पत्नियाँ यहाँ खड़ी हैं वो क्या सोचेंगी। ऐसा सोचकर सुदामा जी ने सिर नीचे कर लिया और लज्जावश चार मुट्ठी तन्दुल लक्ष्मीपति भगवान श्री कृष्ण को नहीं दे पाये। भगवान श्री कृष्ण समस्त प्राणियों के हृदय का एक-एक संकल्प जानते हैं उन्होंने सुदामा के आने का कारण एवं उनके हृदय की बात जान ली अब वे विचार करने लगे कि यह मेरा प्रिय सखा है और दूसरा इसने लक्ष्मी की चाहना से मेरा भजन कीर्तन नहीं किया यह मेरा निष्काम भक्त है।

श्रीमद्भगवत में माता सती की कथा का सुनाया वृतांत

पवई। पूरे क्षेत्र सहित पवई नगर में इन दिनों बैशाख मास को देखते हुए लगातार धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रमों का दौर जारी है। भारतीय हिंदू पंचांग के अनुसार सृष्टि के आरंभ के 15 दिन बाद वैशाख मास का आरंभ होता है। यह पवित्र व्यक्ति को व्यष्टि से समष्टि की ओर उन्मुख होने की प्रेरणा देता है। पुराणों में इस मास को जप, तप,दान का महीना कहा गया है। वैशाख मास के प्रारंभ होते ही तपिश का वातावरण तैयार हो जाता है। इसलिए धार्मिक दृष्टिकोण से इस माह विशेष में वरुण देवता का विशेष महत्व होता है। इसके अलावा स्कंद पुराण के अनुसार वैशाख मास को ब्रह्मा जी ने सब मासों में श्रेष्ठ बताया है। बिल्कुल ऐसे **ही जै**से सतयुग के समान कोई दूसरा युग नहीं, वेदों के समान कोई दूसरा शास्त्र नहीं,गंगा के समान कोई तीर्थ नहीं,उसी भांति बैसाख मास के समान कोई महीना नहीं। इसी क्रम में पवई नगर के लटोरिया मोहल्ला में आयोजित श्री मद्भागवत कथा के तृतीय दिवस को माता सती एवं जड़ भरत की कथा का वर्णन किया गया। व्यास जी पंडित श्री रामदुलारे पाठक (वेद व्यकरणाचार्य) द्वारा कथा के बारे में बतलाया गया। जिसको सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। साथ ही उन्होंने बताया कि आगामी दिवस को कृष्ण जन्म महोत्सव मनाया जायेगा। जिसमें अधिक से अधिक संख्या में श्रोता कथा पंडाल में पहुंचकर धर्म लाभ उठाए। कथा के सफल आयोजन में यजमान पंडित प्रवीण, श्रीमती शीला लटोरिया, डा. सुमन श्रीमती नीलम लटोरिया, प्रमोद, प्रदीप मनोज, मनीष, सनी, ऋषि गुड्डू सहित समस्त लटोरिया परिवार शामिल है।

खरीदी केन्द्र में जिम्मेदार रहते है नदारद, मनमानी के हालात

पन्ना। दलाली एवं रिष्वतखोरी अगर देखना है तो जनबा आइये आप पन्नाजिले के गुनौर में जहॉ पर सरकार की हर योजना को अमली जामा पहनानें के पहले यहां पर दलालों एवं कमीषनखोर भृष्ट अधिकारियों की पौबारह के पांसे फैंकनें की चौपडष्षुरू हो जाती है। अब मामला किसानों की मेहनत की उगाई हुई जिन्स फसल की ही अगर बात कर ली जावे तो यहां पर जुताई बुबाई एवं उसकी गहाई के बाद मेहनत खून पसीनें की उगाई फसल के उचित दाम मिल सकें इसलिए खरीदी केन्द्रों पर किसान अपना गल्ला लाते हैं मगर बेयरहाउस सुंगरही का हाल बेहाल है यहां पर सेवा सहकारी समिति पटनातमोली के माध्यम से खरीदी केन्द्र संचालित है जिसके जिम्मेदार का तो पता नहीं मगर उनके पेटी ठेकेदार दीपक चौरसिया सहित अन्य काम कर रहेक हें सर्वेयर भले ही कोई हो मगर काम यही करते हैं तो आखिर कहां है सेवा सहकारी समिति पटनातमोली के समिति प्ंरबंधक? और सर्वेयर यादव जी? वेयर हाउस सुंगरहा में मनमानी खरीदी की अगर बात की जावे तो यहां पर न तो समिति प्रबंधक का अता पता न ही सर्वेयर का यहां भाडे पर सब काम हो रहा है 100 बरूप्या प्रतिबोरा के मान से अच्छे अनाज को खराब कर दिया जाता है अगर जो दे देता है तो उसका माल सही तो फिर मसरी एवं सरसों सहित अन्य जिन्स किसकी खरीदी जा रही है। जिसकी बात की जावे तो यहां पर ज्यादातर व्यापारियों का अनाज तुलाई किया जाता है भले ही वह घटिया किष्म का हो? मगर जिम्मेदारों को क्या। उनका कमीषन तो फिक्स है। जिले के कलेक्टर नें पूर्व में ही किसानों को परेषानी न हो इसके लिए व्यापक प्रबंध कर दिये थे जैंसे पेयजल से सहित छाया एवं किसानों को उचित नियमावली जिससे किसानों को परेषानी न हो मगर यहां पर खरीदीकेन्द्र दलालों के भरोसे संचालित है।

बड़ा बाजार में चली जेसीबी, सख्ती से हटाया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

जिला कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन में नगर की सड़को को अतिक्रमण मुक्त कर व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हटा नगरपालिका द्वारा नगर को व्यवस्थित बनानें के लिए विगत 8 मई से नगर की सड़को पर फैले अतिक्रमण को हटानें की मुहिम चलाई जा रही है। जहां काफी हद तक नगर की सड़को से दुकानदारों द्वारा किए गये अतिक्रमण को हटानें की कार्रवाई की गई जिसमें बस स्टेंड से लेकर मंदिर मस्जिद चौराहा पुरानी दालमिल रोड राय चौराहा से तीन बत्ती तिगड्डा व अंधियारा बगीचा से खचना नाका तक एवं चंडी जी मार्ग पर कई दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के आगे बड़े-बड़े टीन शेडो लगाकर बाहर पट्टियां बनाई गई थी । जिससे मार्ग संकीर्ण होने के साथ-साथ राहगीरों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही कहीं भी दो-पहिया वाहन चालको द्वारा अपनें वाहनों को खड़ा करनें से आवागमन को अवरूद्ध हो रहा था। जिसे नगरपालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण न करनें की हिदायत दुकानदारों को दी गई एवं दोबारा अतिक्रमण करने पर जुर्माने की कार्रवाई की गई।

वहीं शनिवार को पुरानी गल्ला मंडी, बड़ा बाजार से सब्जी विक्रेताओं व दुकानदारों के अतिक्रमण हटानें की कार्यवाही की गई। वही कार्यवाही को लेकर एक दिन पूर्व तहसीलदार प्रवीण त्रिपाठी सीएमओ राजेन्द्र खरे इंजी.जाकिर रंगरेज द्वारा बस स्टेंड से बड़ा बाजार तक निरीक्षण कर दुकानदारों को अपना अतिक्रमण हटाए जानें की समझाइश दी गई थी इसके उपरांत शनिवार को सुबह से ही अतिक्रमण हटानें की मुहिम को शुरू कर दुकानदारों के टीनशेडो को जेसीबी मशीन से हटाया गया एवं दोबारा टीनशेडो को न लगाए जानें की हिदायत दी गई।वहीं दूसरी ओर बड़ा बाजार में 16 दुकानदारों को नगरपालिका द्वारा दुकानें आवंटित की गई थी उन्हें अतिक्रमण हटानें हेतु सोमवार तक का समय दिया गया।

ग्रामीण सब्जी विक्रेताओं में मचा हड़कंप

शनिवार की दोपहर जैसे ही नगरपालिका की जेसीबी मशीन बड़ा बाजार पुरानी जनपद के समीप पहुंची तो रोजाना सुबह से हटा नगर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आनें वाले छोटे दुकानदारों में हड़कंप की स्थिति बन गई और अतिक्रमण हटाए जानें की कार्यवाही को देखते हुए अपनी-अपनी दुकानों को सब्जी विक्रेता समेटते नजर आए। लेकिन अब देखना यह है कि जिस प्रकार से नगर की सड़को एवं बाजारों का अतिक्रमण राजस्व, नगरपालिका व पुलिस प्रशासन के सहयोग से हटाया गया है क्या वह ऐसा ही बना रहेगा या कुछ दिनों बाद पुनः यथावत की स्थिति में आ जाएगा।

खबर संक्षेप

मनरेगा के तहत पंचायतों में नहीं मिल रहा काम

गैसाबाद। पंचायती राज्य में आमजन का जीवन स्तर ऊपर उठने एवं मजदूरों को गांव में ही काम दिए जाने हेतु कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह जी की केंद्र सरकार द्वारा पंचायतों में मनरेगा योजना चालू की गई थी ताकि मजदूर वर्ग को उनके गांव में ही काम प्राप्त हो सके। लेकिन इस योजना का वास्तविक लाभ आम जनता एवं मजदूर वर्ग को प्राप्त होता हुआ दिख नहीं रहा है। वर्तमान समय में अफसर शाही एवं सरपंच सचिव की साठ गांठ के चलते यह योजना भी विफलता की श्रेणी में जाते हुए दिखाई दे रही है। जिसका लाभ मजदूरों को मिलता हुआ दिख नहीं रहा है। पंचायतो के अधिकांश निर्माण कार्य मशीनों द्वारा किए जा रहे हैं जिससे मजदूरों को काम ही नहीं मिल पा रहा है। मजदूर वर्ग अपने घर परिवार का भरण पोषण करने के लिए अपना घर बार छोड़कर दूसरे प्रदेशों में काम की तलाश कर रहे हैं। लंबी लाइन में लगकर वोट डालने वाली बेचारी आम जनता की परेशानी को देखने सुनने वाला कोई धनी धोरी नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र की हरदुआ उमराव, खमरगोर, मोहराई, तेवरैया, गरैह, जैसी अनेक पंचायतो के मजदूरों ने हरिभूमि को बताया कि हम लोगों को हमारी पंचायत में काम नहीं मिल पा रहा है इसलिए मजबूरी बस हम लोग दूसरे शहरों को रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। लोगों के बताएं मुताबिक यदि कभी पंचायत में कोई निर्माण कार्य होते हैं तो वह मशीनों द्वारा कराए जाते हैं। नाम मात्र के लिए कुछ चिन्हित लोगों को मजदूरी देकर मास्टर भर लिए जाते हैं। पंचायत में निवासरत युवाओं ने हमारे संवाददाता को बताया कि हम लोगों को तो मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। वृद्ध महिलाओं की वृद्धा पेंशन गरीब लोगों के राशन कार्ड आदि बनने वाले जरूरी काम भी नहीं हो पा रहे हैं अफसर शाही के चलते सरपंच सचिव शासन के नियम मुताबिक नहीं बल्कि अपनी मनमर्जी अनुसार पंचायत के कार्य करते हैं। पंचायत में कभी ग्राम सभा भी नहीं बुलाई जाती है, यदि शासन प्रशासन द्वारा अफसर शाही एवं सरपंच सचिव की मनमानी पर अंकुश नहीं लगाया जाता है तो निश्चित रूप से शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं कागज के फूल साबित होंगी, क्षेत्रवासियों ने पंचायतो में व्याप्त अनियमिकताओं पर अंकुश लगाए जाने की मांग की है।

समीप चल रहे निर्माण कार्य पर लगाई रोक, जांच के बाद होगी कार्यवाही

हाकगंज बरंडा गेट मामले में कलेक्टर ने दिये 48 घंटे में जांच करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

शहर की एक ऐतिहासिक धरोहर बरंडा गेट के धराशाई हो जाने के मामलें में रविवार को कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने पहुंचकर मौका मुआयना करते हुये एसडीएम दमोह को 48 घंटे में हादसे की जांच के निर्देश दिये है। मामले में उन्होने स्थानीय लोगो से चर्चा की व जानकारी ली। दरअसल शनिवार रात करीब 10 बजे अचानक हाकगंज बरंडा गेट धराशाई हो गया। इस गेट का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में सन 1886 में हुआ था। बेहद पुराने होने के साथ ही यहां आज भी कई व्यापारी अपनी दुकाने लगाते है। इस घटना के पीछे प्रमुख कारण इसके बाजू की भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य में मशीनों से भूखण्ड का खनन सामने आ रहा है। बरंडा हाकगंज में तीन गेट बने है जिनमें से गांधी चौक की तरफ का गेट धराशाई हुआ है। हादसे में गेट का मलबा बाजू की भूमि पर चल रही मशीन पर गिरा जिससे मशीन भी मलबे में दब गई। गेट धराशई होने से आसपास के दुकानदारों का भी काफी नुकसान हुआ है। एमपीआनलाइन का कामन करने वाले दुकानदार का नुकसान हुआ। वहीं कलेक्टर ने मयूर ड्रेसेस पर भी जाकर नुकसान का जायजा लिया।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी दमोह जाँच अधिकारी नियुक्त

रात्रि लगभग 10:30 बजे शहर के घंटाघर स्थित ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट गिर जाने की घटना घटित होने के कारणों की जाँच हेतु कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी दमोह को जाँच अधिकारी नियुक्त किया हैं। कलेक्टर श्री कोचर ने जांच के बिन्दु तय किए है यथा घटित घटना का मुख्य कारण क्या है, घटित घटना के लिये कौन-कौन व्यक्ति/संस्थाएं जिम्मेदार है, क्या भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक अनुमतियां एवं स्वीकृतियां प्राप्त की गई थी, इस प्रकार की घटना भविष्य में घटित न हो, इसके लिये आवश्यक सुझाव तथा अन्य कोई सुसंगत तथ्य जो जांच में पाये गये का उल्लेख किया जाये। कलेक्टर श्री कोचर ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी दमोह से कहा है 48 घंटो की समयावधि में घटित घटना के समस्त पहलुओं पर जांच करते हुये विस्तृत जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाये। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

निर्माण कार्य पर नजूल अधिकारी ने आगामी आदेश तक लगाई रोक

राजस्व निरीक्षक नजूल के प्रतिवेदन मय पंचनामा एवं मौका स्थल पर निरीक्षण के आधार पर नजूल शीट नंबर 33 प्लाट नंबर 3484 एवं 3485 पर किये जा रहे निर्माण कार्य पर नजूल अधिकारी ने आगामी आदेश तक रोक लगा दी है। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। ज्ञातव्य है राजस्व निरीक्षक नजूल दमोह द्वारा प्रतिवेदन मय पंचनामा प्रतिवेदित किया गया हैं कि नजूल शीट नंबर 33 प्लाट नंबर 3484 एवं 3485 पर निर्मला बजाज पति सुदर्शन बजाज का नाम दर्ज है, जिस पर स्पनिल उर्फ सोनू बजाज पिता सुदर्शन बजाज द्वारा प्लाट नंबर 3484 एवं 3485 पर बेसमेंट का निर्माण किया जा रहा हैं। उक्त निर्माण कार्य करते समय प्लाट से लगी हुई नजूल शीट नंबर 33 प्लाट नंबर 3486 ऐतिहासिक धरोहर (बरण्डा गेट) के गिरने से घटना घटित हुई है एवं उक्त निर्माण कार्य से अन्य व्यवसायिक/रहवासी मकानों के गिरने का खतरा बढ़ गया है।

निकटतम प्रतिष्ठान बंद रखें जाने हेतु आदेश जारी

नजूल अधिकारी दमोह ने राजस्व निरीक्षक नजूल के प्रतिवेदन मय पंचनामा और मौका स्थल निरीक्षण के आधार पर घटना स्थल (ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट) के निकटतम प्रतिष्ठान/दूकानों को आगामी आदेश तक बंद रखें जाने हेतु आदेश जारी किया हैं। उक्त आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। समीप ही चल रहे निर्माण कार्य से अन्य व्यवसायिक/रहवासी मकानों के गिरने का खतरा बढ़ गया है।

समस्त पुरातत्व एवं ऐतिहासिक धरोहर के आस-पास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही 30 जून तक होगी

दमोह। तहसील दमयंती नगर दमोह क्षेत्र में 18 मई 2024 को रात्रि लगभग 10:30 बजे शहर के घंटाघर स्थित ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट गिर जाने की घटना घटित होने की पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये हैं। जारी निर्देशों में कहा गया निर्माण कार्य एवं अन्य कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी दमोह करेंगे, घंटाघर स्थित ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट गिर जाने से घटना घटित हुई है। अतः उक्त ऐतिहासिक धरोहर बरण्डा गेट को मूल रुप में स्थापित कर निर्माण कार्य पूर्ण किया जाये। घटना स्थल के आस-पास के प्रतिष्ठान/दुकानों को आगामी आदेश तक बंद रखा जाये। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी करेंगे। उन्होंने कहा घटना स्थल वरण्डा गेट के आस-पास के क्षेत्र में अतिक्रमण को चिन्हित कर उक्त संपूर्ण क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्यवाही आगामी 07 दिवस के भीतर की जाये। जिले की समस्त पुरातत्व एवं ऐतिहासिक धरोहर, इमारतों, भवनों को चिन्हित किया जाकर उनके आस-पास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही 30 जून 2024 तक सुनिश्चित की जाये। वैरीकेटिंग एवं स्थल जांच कार्यवाही मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग द्वारा की जाए तथा घटना स्थल के चारो तरफ वैरीकेटिंग सुनिश्चित की जाये। घटनास्थल के समीप स्थित सभी भवनों एवं भूमि का तकनीकी दृष्टि से आंकलन किया जाए कि उक्त निर्माण कार्य के परिणाम स्वरुप आगामी समय में उस क्षेत्र में निर्मित भवनों, दुकानों के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति अथवा उनके गिरने, जान-माल के नुकसान का खतरा तो नही हैं।

क्षतिग्रस्त भवनों के संबंध में कार्यवाही

क्षतिग्रस्त भवनों के संबंध में समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी, समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निर्देशित किया गया है की वर्षा ऋतु नजदीक होने से 31 मई 2024 तक जिले के सभी क्षतिग्रस्त/खतरनाक भवनों को चिन्हित किया जाये तथा जहां आवश्यक हो ऐसे भवनों को गिराने की कार्यवाही की जाये। निर्देशों का कड़ाई से समय-सीमा में पालन सुनिश्चित किया जाये।

तेजगढ़ थाना के पुरा गांव में हत्या, पुलिस जांच में जुटी

शराब पार्टी के बाद विवाद में कर दी युवक की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेजगढ

थाना क्षेत्र के पुरा गांव ने एक युवक का शव तालाब की मेड़ के रास्ते में पड़ा मिला है। युवक के सिर में घाव होने के साथ रक्त रंजित लाश मिलने से हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही जिसकी पुलिस जांच करने में जुटी है। दरअसल रात्रि दो बजे के करीब 100 डायल को सूचना प्राप्त हुई थी की पुरा गांव की मेड़ पर एक युवक की लाश पड़ी है। इसके बाद तेजगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ए एस आई संजय सिंह पुलिस स्टाफ के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव की शिनाख्त राजू उर्फ डाल सिंह लोधी उम्र 45 वर्ष निवासी पुरा के रूप में हुई है। मृतक के सिर पर तीन घाव होने के साथ पूरा चेहरा रक्त रंजित मिला कर शव के पास दो लाठियां मिली है। पास में कड़ाई पड़ी मिली है जिससे आशंका जाहिर की गई पहले शराब पार्टी की गई और फिर विवाद के चलते युवक की उसके साथियों ने निर्दयता से हत्या कर दी गई। विवाद किस बात को लेकर हुआ इसको लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

मृतक युवक के साथ शराब पार्टी में शामिल एक युवक अस्पताल में भर्ती बताया जाता है। मृतक की हत्या में जिन लोगों के नाम सामने आ रहे वह एक ही मुहल्ले में आसपास के घरों में रहते है जिससे हत्या के पीछे कोई अन्य कारण भी हो सकते है। नगर में तरह तरह की चर्चायें सामने आ रहा है। हालंकि एफएसएल टीम मौके पर पहुंच कर सूक्ष्मता से जांच कर रही है और घटनास्थल से फिंगर साक्ष्य एकत्रित किए गए है। वहीं तेजगढ़ पुलिस ने कुछ हत्या के संदेहियों को उठाया और थाने में पूछताछ की जा रही है। हत्या की इस घटना को लेकर अभी पुलिस कुछ भी बताने से इंकार कर रही है।

तालाबों के सीमांकन हेतु सीएमओ ने दिया तहसीलदार को आवेदन

पटेरा। बीते दिवस 12 मई को कलेक्टर श्री कोचर ने पटेरा प्रवास पर तालाबों के सीमांकन हेतू निर्देश दिये थे। जिसके परिपालन में सीएमओ सुंदरलाल सोनी ने तहसीलदार पटेरा को एक आवेदन पत्र देकर पटेरा नगर में एक आवेदन पत्र देकर पटेरा नगर में दर्ज सभी तालाबों के सीमांकन कराने का अनुरोध किया है। इनमें बस स्टेण्ड संकट मोचन मंदिर के पीछे तालाब बंशी वाले मंदिर तालाब धुवा तालाब बीड़ी दुकान तालाब एवं भोंरा बाग तालाब है। इनके शीघ्र सीमांकन की मांग नगर में भी हो रही है। ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

बिना केवाईसी नहीं मिलेगी 1 जून से गैस सब्सिडी, 31 मई तक कराना होगा केवाईसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

समूचे जिले के साथ हटा तहसील में उज्जवला गैस योजना का लाभ ले रहे हितग्राहियों की सब्सिडी बंद हो सकती है। उपभोक्ताओं को 31 मई तक केवाईसी करना जरूरी होगा अगर समय रहते केवाईसी नहीं कराई गई तो 31 मई के बाद उनका कनेक्शन ब्लॉक हो सकता है तो सब्सिडी भी नहीं मिलेगी। हटा नगर की पटेल गैस एजेंसी के मैनेजर दिनेश पटेल ने बताया कि उज्जवला ईंधन गैस हितग्राहियों को 31 मई तक गैस कनेक्शन का केवाईसी कराना अनिवार्य है यदि समय पर केवाईसी नहीं कराया तो सब्सिडी का लाभ उन्हें नहीं मिल पाएगा। दिनेश ने बताया कि भारत सरकार के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देशानुसार उज्जवला सिलेंडर कनेक्शन के हितग्राही जिन्होंने अभी तक अपना केवाईसी नहीं कराया है, उन्हें 31 में 2024 तक का समय गैस कंपनी की ओर से दिया गया है ऐसे हितग्राही जिन्होंने अभी तक अपने उज्ज्वल सिलेंडर कनेक्शन का केवाईसी नहीं कराया हो, वह जल्द ही एजेंसी में आकर अपना केवाईसी करा लें। यदि निर्धारित समय पर केवाईसी नहीं कराई तो उनकी सब्सिडी 1 जून से खाते में आना बंद हो जाएगी, अभी उज्जवला कनेक्शन में 305 रुपए और सामान्य सिलेंडर पर 61 रुपया सब्सिडी मिल रही है। यह आदेश भारत सरकार के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से पूर्व मैं भी जारी किया जा चुका है। केवाईसी करने की सूचना एजेंसी पर नोटिस भी लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा उज्जवला गैस योजना के हितग्राहियों की कराई जा रही केवाईसी से अब फर्जी कनेक्शन धारी पकड़े जाएंगे एवं जिनके पास दो से ज्यादा सिलेंडर हैं तो दूसरा सिलेंडर ऑटोमेटिक ब्लॉक हो जाएगा।

धर्म को साधन मत बनाओ, साध्य बनाओ

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

धर्म को साधन मत बनाओ साध्य बनाओ धर्म को सिद्ध करो और धन को साधन बनाओ धर्म को अपनी इच्छा पूर्ति का साधन नहीं बनाना चाहिए अन्यथा यह विनाशकारी होता है रावण ने अपनी तपस्या के माध्यम से तीन खंड का अधिपति बनने की इच्छा की थी उसके फलस्वरूप वह अधिपति बना किंतु अंत में सर्वस्व विनाश को प्राप्त हो गया रावण के बराबर कोई धर्मात्मा नहीं था किंतु उसने धर्म के द्वारा अपनी इच्छा पूर्ति करने का प्रयास किया और इसका दुष्परिणाम उसको भोगना पड़ा किसी भी धर्म की क्रिया से हमें यह लगे कि हमारी इच्छा पूर्ति होती है तो नियम से उसके परिणाम विनाशकारी होते हैं सांसारिक समस्याओं के निदान के लिए धर्म के माध्यम से किए गए उपाय इच्छा पूर्ति नहीं है वरन यह कर्तव्य का परिपालन है यह इच्छाएं नहीं समस्या का समाधान है घर परिवार की समस्याओं का समाधान व्यवस्था और कर्तव्य के अंतर्गत आता है किंतु धर्म के माध्यम से शराब की कामना करना यह अय्याशी है यह इच्छापूर्ति है इसका परिणाम नरक है धन कमाना पाप नहीं है किंतु पाप में धन लगाना अधर्म है पाप करने की सफलता के लिए देव शास्त्र गुरु का अवलंबन लेना विनाश को आमंत्रण देना हैं। उपरोक्त विचार निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने दिगंबर जैन धर्मशाला में आयोजित अपने मंगल प्रवचनों में अभिव्यक्त किये। इसके पूर्व प्रात काल 5:00 बजे से निर्यापक मुनि श्री के मंगल सानिध्य में नन्हे मंदिर कमेटी के आसामियों को द्वारा अभिषेक एवं शांति धारा करने का सौभाग्य मिला। इसके पूर्व निर्यापक मुनि श्री वीर सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचनों में कहा कि आचार्य भगवान कहते थे की शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण होगा तभी संस्कारवान नागरिक हमारे देश को प्राप्त हो सकते हैं धर्म हमारे जीवन में आचरण के रूप में परिलक्षित होना चाहिए यह हमारे व्यवहारिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखना चाहिए तभी हम वास्तविक धर्म की नींव से जुड़ सकते हैं आचार्य भगवान जो की एक महान दिव्य आत्मा थे लाखों वर्षों में ऐसी महान आत्माएं जन्म लेती हैं उन्होंने हमारे उपकार के लिए अनेक उपक्रम प्रारंभ कराए उन्होंने हम सब के बारे में सोचा और आत्मा के कल्याण का मार्ग हम सबको बताया उनका उपकार जीवन भर नहीं भूलाया जा सकता। इन परिवार को मिला आहारदान का पुण्यार्जन- रविवार को निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज को आहार देने का सौभाग्य सौभाग्य वीरेश सेठ के परिवार को प्राप्त हुआ। निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर के आहार बब्बू खजरी परिवार को प्राप्त हुआ निर्यापक मुनि श्री वीर सागर जी महाराज को आहार देने का सौभाग्य अभिषेक भैया मुनि श्री पदम सागर जी महाराज के आहार का सौभाग्य छुल्लक आगत सागर परिवार परिवार मुनि श्री शीतल सागर जी महाराज को आहार देने का संतोष गंगरा परिवार को गंभीर सागर जी महाराज के आहार का सौभाग्य आशीष उस्ताद परिवार को प्राप्त हुआ।

वृद्ध किसान की करंट लगने से मौत

हटा। थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम कांटी में अपने खेत की फसल देखने का एक वृद्ध किसान को करंट लग जाने से उन्हें तत्काल ही परिजनों द्वारा अपने वाहन से सिविल अस्पताल हटा लाया गया जहां ड्यूटीरत डॉक्टर द्वारा परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कांटी गांव के वृद्ध कृषक रामेश्वर पिता राधिका पटेल उम्र 75 वर्ष जो रोजाना की तरह अपने खेत में लगी मूंग की फसल को देखने गए हुए थे जहां खेत की मेड़ पर सिंचाई हेतु डाली गई विद्युत तार से अचानक करंट की चपेट में आ गए जिससे वह मौके पर ही मूर्छित होकर गिर पड़े जहां कुछ ही दूरी पर खड़े परिजन द्वारा तुरंत ही घर पर सूचना दी गई जिसे आनन-फानन में अपने निजी वाहन से इलाज हेतु सिविल अस्पताल हटा लाया गया लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना हटा पुलिस को दी गई जहां मौके पर एएसआई सुंदर सुमन नहीं सिविल अस्पताल पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही कर शव के पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंपकर घटना को जांच में लिया है।

बांदकपुर बनवार मार्ग रहा अवरुद्धः सड़क पर गिरा पेड़, घंटों फंसे रहे लोग

मौके पर नही पहुंची पुलिस ग्रामीणों काटकर मार्ग से हटाया

बनवार। बनवार बांदकपुर क्षेत्र में आई तेज आंधी तूफान ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।अचानक से धूल भरी आंधी तूफान ने लोगों को हलाकान कर दिया सड़कें अवरुद्ध हो गई। बड़े-बड़े पेड़ भी धराशाई हो गए। जहां बनवार बांदकपुर मार्ग के टिकरी पिपरिया के पास एक पेड़ सड़क में गिर गया। जिससे घंटों मार्ग अवरुद्ध रहा। लोग घंटो फंसे रहे पुलिस के द्वारा अवरुद्ध मार्ग से पेड़ हटवाने की कोई कार्यवाही नहीं होने की स्तिथि में ग्रामीणों और मजदूरों पेड़ की टहनियां काटकर सड़क से अलग की गई तब कही जाकर सड़क से आवागमन बहाल हो पाया राहत की बात यह रही की जब विशालकाय पेड़ सड़क पर गिरा उस वक्त सड़क से कोई गुजरा नहीं और बड़ा हादसा टल गया।

Times Public School
CBSE Affiliation no. 1031083
Add. In front of Vaishali Nagar, Damoh M.P.
Website - www.timespublicschools.com Cont. 6232058497, 7748830354

We are Hiring

TGT(social Science, Computer, Science)	- 01 Post
Mother Teacher (Pre-Primary teacher)	- 02 Post
PTI (Lawn tennis Coach) (Male)	- 01 Post
Computer Operator	- 02 Post

Note :- English fluency & Experience in reputed school is mandatory. Salary will commensurate with Qualification and Experience. Accommodation facility will be provided by school for candidates outside Damoh.
Interested candidates can apply by sending their application (in pdf format only) on hr.times11@gmail.com via e-mail or by post (No Whatsapp) within 7 days.
For more info. call - 6232058497, 7748830354
Interview- Katni, Damoh, Jabalpur
Job Location- Damoh